

॥ वीरकर्मचाप्राप्ति ॥

श्रीगणेशाय नमः सांकोरवीगेली अपुलीयादया ॥
वेताक्रमयोरातप्रगटनीया ॥ पुडेनीवैरलातयादया ॥
जेथेचैकीहोलीलसिरीगवा ॥ उपक्रमकरीनृपवरा ॥
लयासीउत्तरदेमयोरा ॥ गृहत्यामीचानकृताज्याभ
यकसा ॥ नसंगे कथावलागु ॥ पुनरपीहारणेवै
टणेपझीणीसी ॥ मयोरवरवाचोठीभीलीसो ॥
कथापरीसहणे रायासीगपरीसीराहोयमनवीश्री
ली ॥ ३ ॥ रत्नपुरीयेमास्थितो ॥ रत्नपुरीरत्नमणीराज
करी ॥ प्रधानलयाचाचीचक्षिणजावधारी ॥ पुत्र
प्रेत्रीनांदलीमत्ता ॥ रत्नपुरीवहारपाप्रधानपुत्र

हारीदासाया हा ध्या पडला मने लक्ष्मी ओली प्राप्ती
 करानोया ॥१॥ दोघे येक मेका वीण ॥ वेगळे नहेली
 येक क्षण ॥ जेसी मैत्री रामा ॥ लक्ष्मी मणायी ॥६॥ दो
 घे बैसली येकांली ॥ दोघे आरोग्य करीली ॥ स्वपत्नी ॥
 दोघे मार्ग चालली ॥ नोद्रा करणे दोघे जण ॥ ७ ॥ ऐसे जे
 १॥ सत्ता लयासी ॥ रत्न मणी मणे पुत्रासी ॥ सुप्रधान १॥
 त्रास वेर वेळसी ॥ राजनीली साडोनी या ॥ ८ ॥ तुशा
 हाणा आणी प्रध्या पाहा ॥ लज्जा वेरा ज कल्प वाद ॥
 राजें लज्जा सें बोधा ॥ लोली वीधा वाचा ॥ ९ ॥ राज्या
 नेर लुके रपी कवी ॥ परी लीन नहि मनी धरी लो
 दण ॥ परी नो होये ॥ प्रध्या पुत्रासी नसेडी ॥
 १० ॥ ऐसे के कर्म लकीली ॥ दोघे सव वहु लसीगी
 लले पुत्रासी ॥ परी नसे ॥ रवे का सप्तम गराजा का
 यवी चारी ॥ ११ ॥ बोला पुनी प्रधाना लो ॥ लगे लुसी
 कवी ॥ अपुल्या पुत्रा लो ॥ जरी रवेळ तादे रवे नहे द्यासा
 लरी लुज सो द्या करी ना ॥ १२ ॥ प्रधाने लगे जी नृपय
 रा ॥ आजीचे मज द्दम करा ॥ जरी रवेळ तादे रवे
 सी कुमरा ॥ लरी मज दंडो वे ॥ १३ ॥ प्रधान आता मंदीरा
 सी ॥ बोला पुनी या अपुल्या पुत्रासी ॥ सांगला जा
 ला लया सो ॥ जे राजा को पत्ता होला ॥ १४ ॥ राये के ली
 ने हलवा हारी ॥ सी घदा साचा संग न धरी ॥ जरी लुखे

नीरायासी॥ बेसलेसवस्थानीआपुल्य॥ ३४
 सारीलीराजनीलीलयायेकी॥ तोप्राप्तजलेमाध्या
 नकाजी॥ मगरपभावीसजनिकेली॥ राजाप्रवेशो
 राकुकी॥ ३५॥ रायेरनोनसंध्यासारीली॥ लोपले
 ताटेवीरसारीली॥ रायेअटिककेली॥ सीवदासा
 ची॥ ३६॥ राजासर्जबोलकीपुत्रारणी॥ रुसीरजा
 लाओजनासी॥ सयेकपाहालीआसपासी॥ प
 रीलोकोटेनदीसे॥ ३७॥ सर्जलीआसेलप्रधानचे
 दरी॥ सयेजलआसेलसचारी॥ लयालेपाचारीसंड
 करी॥ राजारबोवबेलाअसा॥ ३८॥ दुलआलेधाव
 स॥ प्रधानगही॥ लयालेपुनस॥ हा
 नीदासकोटेआसे॥ यत्ररुंदसीजगुनी
 सांगीलले॥ कोटेनदीसेगीले॥ सायसनीवीचा
 रीलो॥ जेगेलेअसली॥ ३९॥ सी॥ ४०॥ राजा
 ह्योप्रधानले॥ काहोरचतीचिनकले॥ लोस
 पे॥ तुलीसारीललेमाले॥ म्यासांगीललेहारीदा
 सासी॥ ४१॥ तोराहीलाआपुलपादरी॥ सीवदा
 सेबोलाउधोडीलीदेनचारी॥ लोनजायेचलेआ
 वश्वरी॥ मगआत्मारजपुत्र॥ ४३॥ त्रैजेत्पासीरव
 णावीले॥ होयेयेकांतीबैसले॥ यीतुकेसेवकी
 सांगीलले॥ याउपरीकायजालेलेनकलेराया॥ ४४॥

मग करी ली दुरवाले। मप ली आमी बली लिखा
 ले। सांडु नीया आमु ले। से बी ले वन धारु। ४५।
 ५। मग धा वी ले वन धा व। चौ मा गि रि ध धा व।
 धा टी लग कर व। आ श्वारा ठ हो उनी या। ४६।
 मग धा वी ले वन धा व। हीं डी न ले गहन वन। पथ।
 री सया चे न ले ग। नुरं धान। कोणे मा गि गि ले
 कळे ना। ४७। धा व पं या स वन धा व ले। ले पर तु
 न आ ले। राय सी जाण वी ले। कोटे नदी स ती म
 ण उनी या। ४८। सया चा सौ क व ज वि। तरी वृथ।
 गृथ बाढ व वा। मप ली भार सा सी वा। से काय के ले। ४९।

॥ वीक म चा प्रग ॥
 राये रोक के ली या। काय सी श्री। जिन संवो रची ना
 नारा श्री ग लु म च। त्या रा ग नि वंधी। भेटी का जी
 होई ल। ५०। हे से वी ले नी वचन। या चे करी ली
 समा धान। द्रुठ करानी या मन। चाल वी ली रा
 जनी ली। ५१। इ लु के नगरी व लु ली। ले ही मा गी कि
 य के ले। पु ल म से रा व ग ले दे रवी ले। ले थै स्थी रा व
 ले ना वे क। ५२। प्रारान करी ती गु द का सी। त व
 दर वी ले मं ह ल सी। न म स्कार करी ली। त्या सी
 ले। आ से ध पान रत्ता। ५३। त्या ने वी स नी ले ध पान

उदु डील्ले लो यन। होघे ही चालले लोरा गण। महं
 लेदी धला आसी वदि। ८४। पुसी ले आवघे स्वकु
 ७ राळा। प्रधाने सांगी लले समुजा। लेथे चतुमसि
 काळ। कमुजी स्वामी ८५। मुनी हजे लया ले। ध
 ८। सुरची राहो वेथे। जेक लीत असे लतुमा ले।
 लेसी धी पावेल। ८६। होघे लेथे राही ले। वीह्या
 आ। आसकरा ली ले। चतुर्दशी वीह्या सीकले। आ
 पी रास्त्रा ८७। सुग ८८। लेथे कमी ले चारी मा
 स। वीह्या सिपुन होघे स। मग वीनि वीनी लापस

॥ वीक्रम चण ११ ॥
 लंगली अन्न दी ले स्वामी ८९। गुरा सने ल
 या ले। लुमी ले वीह्या लेथे। मार्गिक मीजे चो
 ६ वीस यो अना ले। लेथे दोन मार्ग आसली ९०।
 सा। हुनी हावी वार। गुजवी धरा वीग ली कर।
 वाम मार्ग दुर्घट। बहुल असे जाण। ९१। हे स
 सांगे नी लया सी गेद ता ल। लार च गे र रास्त्रा सी॥
 या सी स्पट। आग्नी सी हो उन द्या वा। ९२। ले गु
 ह्य सांगे ल से रेक। कोण हा सी न सांगे वे स्वभा
 वीक। स्पट जाली या पावक। पाव सी ल म्हा ले॥

॥६२॥ हास्त्र करी धोउनी॥ दोधे गेले लोरागणी॥
मंहात गेले आश्वासुनी॥ दीधला प्रसाहु॥ ६३॥
७॥ मंगलेथुनी प्रयाण केले॥ दक्षिण पथे धरीले॥ मार्गः ७॥
कमीलिच्छोवीस योजन॥ ६४॥ जेथे दक्षिणयक उभेरा
हीले॥ तव प्रधाने काय केले॥ झेणचलागा वहिले॥
जुलवीये वारे जा॥ ६५॥ काय जे पुर्वी ले ही द्दिपा
हुमा मागुली फारानी ये॥ याचमगे॥ ६६॥ सोवद
सल्लणे डावीये वाटे जा॥ ये वेळीचे नारकी प्रधाना
चे चीलन केले श्री गुराचे॥ ध्यान करानी श्री हारीचे॥
डावीये वाटे नीचा ले॥ ६७॥ जाली फुटे पुढे॥ हाउ
देखली उद्दुगा वाटी नली प्रचंडा॥ गंगन चुंबीलपै॥
६८॥ नींबे नीबोरे पळसा॥ वउपी पळ फणस॥ ही
रडा व्याहाडा॥ कुडसा॥ लागले मका सींग ६९॥ रेवर
मोह पींपरी॥ बोरोबाबजी वीरतारी॥ चंदन बीबे
वीकीरी॥ पुस्पी फळ मंडीत॥ ७०॥ टेभुरणी राय
आवजी॥ घोरी लोरवंडी करवंदी जळी॥ लाउ
माउ पो फळी केळी॥ रवजुरीयापै॥ ७१॥ आंबे जा
बंजी नारकी॥ चारी आ॥ कोळी॥ आवजी॥ भोकरी
गोदनी॥ सदा फळी लपती आरे॥ ७२॥ जाई जु
ई रोयती॥ मोगरा पारी जालक मालती॥ ७३॥

ने मोरच के कली ॥ ७३ ॥ आ
 कासी लागले चंदन ॥ ने पती नीर गुडी करज
 ८४ के पराक की येह क की चीत्रक ॥ नागरी आणी दे
 चंदन ॥ ७४ ॥ धुल वीक साळया सीर सा ॥ सेव
 गाख वेह डी सी हो येह व से ॥ सर ही वर तखड ॥
 स कुल पीच की ॥ भली ॥ ७५ ॥ ऐ से माहावन ॥
 सा उवाहा उली गहन ॥ क वणे करा वेवणे न ॥ आ
 टरा भार वन ॥ य तो चो ॥ ७६ ॥ मारी के व डी मली ॥
 जे वणु स के घन ॥ स्पली ॥ सा ॥ नाम ॥ सासी पुरली ॥
 सांगी लली ॥ आ से ॥ ७७ ॥ उवा ॥ सा ॥ सेली ॥ म ड ॥ स ड ॥

पुढे का पला सेकडा ॥ दे र व ती वी ॥ ल ड ग डा ॥ येक
 ८५ ये का वरी उलर डी ॥ ७८ ॥ त्या ॥ व न ॥ मी लरी ॥ पक्षी
 कुळे बोलती नाना परी ॥ स्था ॥ पदा ॥ ची ॥ ग ॥ ज ॥ नि ॥ थो ॥ रो ॥
 ल ॥ धु ॥ म ॥ ल ॥ से ॥ डों ॥ ग ॥ रा ॥ ७९ ॥ ल ॥ धु ॥ नी ॥ आ ॥ ल ॥ डों ॥ ग ॥ रा ॥
 ची ॥ य ॥ क ॥ ड ॥ व ॥ सा ॥ ८० ॥ वे ॥ स ॥ ले ॥ दे ॥ र ॥ च ॥ ती ॥ रा ॥ क्ष ॥ रा ॥ ८१ ॥ हा ॥ री ॥ दा ॥
 स ॥ क्ष ॥ णे ॥ सी ॥ व ॥ दा ॥ सा ॥ ८२ ॥ वे ॥ क ॥ पा ॥ हे ॥ ल ॥ धु ॥ नी ॥ या ॥ ८३ ॥ दा ॥
 दे ॥ रा ॥ यो ॥ ज ॥ ने ॥ आ ॥ का ॥ चै ॥ र ॥ सा ॥ ८४ ॥ डों ॥ ग ॥ रा ॥ आ ॥ से ॥ ८५ ॥ दा ॥
 ले ॥ थो ॥ आ ॥ स ॥ तो ॥ रा ॥ क्ष ॥ रा ॥ ८६ ॥ मा ॥ हा ॥ व ॥ की ॥ या ॥ मा ॥ स ॥ अ ॥ डा ॥
 दि ॥ ८७ ॥ आ ॥ ती ॥ उं ॥ च ॥ प ॥ र्व ॥ त ॥ व ॥ र ॥ रा ॥ आ ॥ से ॥ मा ॥ र्ग ॥ ल ॥

१
 दहीता ॥ त्याणे देरवीले आक रमात हो घालणा
 सीग ॥ २ ॥ ये हो देरवीले लया सीग ते ही लक्ष्मी ले मा
 ण सा सीग हा क दी ध ली आ का सीग ले ण डो गर
 दु मी दु मी लाग ॥ ३ ॥ उठो नी आ ला धा व ता ॥ स्वार्
 न गी को ने रे रो ह ण ता ॥ वी क ल हा डा जी हार व ता ॥
 १॥ मुरवा मा सी पौ ॥ ४ ॥ के ले गु रा चे ची ल न ॥ रा र च रे ॥
 उ नी आ ला सा व धा न ॥ म ग बो ल ती व च ना ॥ रा क्ष
 सा प्र ली ग ॥ ५ ॥ आ रे आ ला मा ग रि ता सी ॥ तु का
 आ उ वा धा य सी ग न को व ड र सु जा ला सी ॥
 मा ग सो डी व ही ला ॥ ६ ॥ आ पु ले फ र आ ले ती ॥

१॥ वी क म च म प्रा ॥ १ ॥
 १॥ जा व या ची र ख र ली ग ती ॥ दे व आ हा र नी मी ले ती ॥ आ
 १॥ ज च दी व सु के मी ॥ २ ॥ रा व प र र नी धा व ला ॥
 रा य र व गे हि पो ल ला ॥ उ ड नी मा धा रा गे ला ॥ पु न र पी
 धा वे रा क्षि सु ॥ ३ ॥ ला त हा णे री व दा स ले ॥ ये रा लो
 डी ले र च ग चि र णा ले म ग लो ट ला ध र णी ले ॥ सं तोष
 ला सी व दा सु ॥ ४ ॥ मा गु ला ज व हा णो पो हे ॥ त व रा
 दी स उ टो ल व ला हे ॥ आ फ कु नी या बा हे ॥ धा व ला वे
 गी ॥ ५ ॥ अ चं ड उ च लो नी या धो ङी ॥ ले सी व दा स
 व री सा ङी ॥ वे गी र व ग री वं डी ॥ प डी ला ध र णी ये पौ ॥ ६ ॥
 रा क्षि स री ला धा ले ॥ सी व दा स नी वारी रा र च रे ॥

है से दो द्या जे पा ले ॥ युध्य मा जी ले दा राण ॥ ९३ ॥ सी
व दा स श ल र वं ड करी र व गे ॥ राक्षस पुटे ले पे चि वे गो ॥
१९३ ॥ करी गुरा चे ची तें ना ॥ कृ द र्द धरी राम र म र ण ॥
१९४ ॥ करी र त्त व न ॥
गुरा ध रानी चीली ॥ त व अ भि गी जाली व दली ॥
या च्या कृ द पा ल अ से ज मूल कु पी ग ज्ञा य प ॥ १९५ ॥
रा स्त्र हा ने नी यें द र फो जी ॥ या चें द र का जी ताः म
ग न्ने ल ग ला फ ल ध डी ग हा ॥ मृ त्यु से व के हा ॥ १९६ ॥
सी व दा स ज्ये वे सं तो क ल म र रा स्त्र द्या चें कृ द र्द हा जी त
ता ॥ राक्षस नी चे ल न प ड ला ॥ कु पी का फु र ली अ
मृ ला ची ॥ १९७ ॥ पु न पी रा स्त्र हो ण ॥ राक्षस प ड ला श्रो
जे ॥ १९८ ॥ वी द ण पि र गे त्या ण ॥ न द रू दी ता ज्यो व री ॥
१९९ ॥ ये क अ र्क का जी अ पु र्व व णो ग र ॥ द्दि से अ णी
हो ली ॥ री री ग ल दी पा हु नी प द्मी णी ॥ ले णे अ र्क की ला
ले ग ज रा ॥ २०० ॥ ये व ढा का स या चा द ण द ण ट ॥
की ज ला अ से ल गी री ले र ॥ की कृ राक्षस हा हु नी
बळ क र ॥ ले णे अ से ल सो डी ला ॥ २०० ॥ वी व र
लु नी बा ही रा ॥ मुर व दा स व व नी उ रा व लो को नी
सुं द रा ॥ ती स दे रे व नी नृ प व र ॥ ले णे वी र्य ता प ज हा

॥ १०१ ॥ नादिरसवधीलायणे ॥ हापडीलाकोणे
 गुणे ॥ हारीदासासीचीं तापडलीसेणे ॥ हेकायजाळे
 ॥ १०२ ॥ नादिरसवधीलीयविरी ॥ याचेआ
 युराचीभरलीपायरी ॥ सीवदासहोलानीमीलपधा
 ॥ १०३ ॥ पुर्वजन्मीचासंमधी ॥ १०४ ॥ मणेंकटकयवोखु
 टजाहाले ॥ गुरानेहोलेवलीले ॥ तयास्तवोसेध
 उले ॥ गुराआरुम ॥ मंगीलीमणुनी ॥ १०५ ॥ थोरक
 रोखेद ॥ स्मरीरामकरंगागेविही ॥ मणेहामाधवामु
 कदा ॥ तुमीरुधावेसीवदासारसी ॥ १०६ ॥ करीउगच
 स्मरण ॥ ओचज्यालीलसेवन ॥ मणेंमूछेजेजाळे
 हास ॥ नेत्राचडोनीपाद ॥ १०७ ॥

॥ १०८ ॥ वीक्रमचाप ॥ १०९ ॥
 वेगोउठागाबंधुराजा ॥ रत्नमणिकीयाआमजो ॥
 सांगजीवीचीया ॥ नामलेनीसीधीपावनी ॥ ११० ॥
 सीवदासमणेंगबंधु ॥ रादिरसांचाकेलीवधु ॥
 पेंतलेथेदेरवीलीवधु ॥ आलीलावण्यसुंदर ॥ १११ ॥
 तीचेदेरवोनीस्वरपा ॥ मजआलावीयलापा ॥ ज
 रीशोधीलीरामद्रीपो ॥ नदेरवोलावण्यसारीरवो ॥ ११२ ॥
 सीद्राचातागातेंथो ॥ तुवाआवलोकीलेजेमेलेजेथे ॥
 पुर्णकरातुसीया ॥ कामेनेले ॥ आलाचाळसडकमी ॥ ११३ ॥
 दावेवगवगत्रीउडीले ॥ सडकरीवीवरदारपावलो ॥
 भीतरीआवलोकीलेजाळे ॥ लवहडीलपडकी

पद्मीणी ॥ १११ ॥ पाहोनी तीच आवरचर ॥ सी
 चदासा सी आला पुनरपी उबर ॥ प्रधान सणेगा
 धीरधर ॥ मोडि सी सवधकी नम ॥ ने श्री लागु
 नीया जीवना ॥ सी लळ धात लपवना ॥ पद्मीणी ने
 १२ ॥ उधडीले लोचन ॥ टक मकाल दरीलसे ॥ ११३ ॥ पु १२
 नरपी धात लावारा ॥ स्व वध जाली ले सुंदरा ॥
 मग प्रधान पुरेची स्मर ॥ येथे केवी वास्तव्य तु
 से ॥ ११४ ॥ मग मणे पद्मीणी ॥ मज सी गळ दीपी हु
 नी ॥ राक्ष सेवणी ले हीरनी ॥ आली नी उलीकरा
 नी मटे की ले आ से ॥ ११५ ॥ नाही सं सगरि गमु ॥

॥ वीरमचो प्रम ॥ ११६ ॥
 आनुर कचिने मु ॥ लेस काळ कम ॥ लोटले बहलही
 चस ॥ ११७ ॥ आली ॥ वल्लेवी पीली ॥ न्याहा गुटीली ॥ आ
 ह्मूत ॥ मणवो नो पाही ले पीतभीत ॥ लवराक्ष सपडी
 ला लो देखी ला ॥ ११८ ॥ लोराक्ष स माहावकी ॥ तुमी
 मारी ला टच फुली ॥ ले देखो नीयान कही ॥ मनमा
 इर आनंद ले ॥ ११९ ॥ लेसावरा वावरा ॥ होम नी चानी
 धरि ॥ न धर वे जीवी धीर ॥ लेणे मुळ गिल पडी यले ॥
 १२० ॥ येराचे मनीचे लेची बोलेण ॥ पद्मीणीचे आ
 नंद ले मन ॥ उभय लचे समाधान ॥ मग प्रवे
 श लेवी करति ॥ १२० ॥ हानी दासाची ऐकावी पती ॥

के ली लग्नाची आदिली ॥ गंधर्व लग्न लावीनी गु
 ली ॥ दोघा भरली रोरा पादु ॥ १२१ ॥ चोरवट मुलाफ
 ला ॥ पद्मीणी घाली सीव दासा आगळा ॥ लसुखा
 ३ चा सोहळा ॥ जाणली आनु ११ वी पे ॥ १२२ ॥ ऐसी जा
 ली लग्ने सीध्दी ॥ प्रधाने केले मंत्रवीध्दी ॥ जेजे
 ३ कर्म पदोपदी ॥ लेकरी हारी दासु ॥ १२३ ॥ जालो हे सु
 हावना ॥ मग करी भोजन ॥ प्रह्मालुन कर चरण ॥ १२४ ॥
 वी डाधेली कपुरा सीम १२४ ॥ धुपेली उत्तमवोव
 री ॥ पद्मीणी सेथ सेज करी ॥ सुंदर लग्न द्यात
 ला मध्यम हे गाना ॥ दाका सावया प्रधाना सीम १२५ ॥

॥ चीकमचा प्रग १२५ ॥
 दोहीटारि सुमन धुका ॥ के सुरी उद्येकण ॥ कपुरज्जा
 दी चंदना ॥ पालो जवरी पे ॥ कुलाचा ॥ १२६ ॥ नीर कि
 १३० री प्रधान कुमरा ॥ सीव दास प्रवेशो नीजमंदीराप
 पद्मीणी ने केला सर्व श्रीगौरा ॥ उभिरा हे हारी दासा
 जवळी ॥ १२७ ॥ तया सी दीधे लाकपी वीजा ॥ हो
 लणवे वारि लुहरी पहडा ॥ रात्री जा लो जे सेच जग
 माथाली रवट बेस लेआसे ॥ १२८ ॥ मग ते सुंदरी
 गेली नीज गृहाभीतरी ॥ सेवा जाणवी नाना परी ॥
 प्राणनाथा लागुनी या ॥ १२९ ॥ कमीली नान

श्रीगणेशाय नमः ॥ रंगीरगला बहुतरंग ॥ १३० ॥
वनदेलीयेकमेका ॥ १३० ॥ ऐसीकमीलीतेनीनी ॥
१३१ ॥ उद्योत्तालादीनकरासी ॥ दोघेभेटलेयेकमेका
१३२ ॥ रपी ॥ आलीव ॥ दोरेकरानीया ॥ १३३ ॥ दोघेबेसले
येकवार ॥ प्रधा नसनेचाल ॥ जानु ॥ जीवीयेवाटा
गुननेसांगीतलेआसली ॥ नीघलीयेसमर
आह्मासी ॥ १३४ ॥ हारीदसहजेसीवदासासी ॥
कहेजालेआसलीबहुवसे ॥ येथेकमुद
चारमास ॥ मगजानुलयासासी ॥ १३५ ॥



मूळ प्रत पाहण्यासाठी संपर्क

इतिहासाचार्य वि.का. राजवाडे संशोधन मंडळ, धुळे
राजवाडे पथ, गल्ली नं. १, धुळे-४२४००१ (महाराष्ट्र)
दूरध्वनी क्रमांक (०२५६२) २३३८४८
Email ID : rajwademandaldhule@gmail.com